तापमान
अधिकतम 31.2 डिग्री
न्यूनतम 26.1 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 25 अगस्त 2025

11 एशियन बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक विजेता रितिका का सम्मान

12 जिला अस्पताल को मिलेगा नया एमसीएच विंग, मरीजों को बड़ी राहत

खबर संक्षेप

नशा तस्करी का आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। सीआईए ने मादक पदार्थ तस्करी की वारदात में शामिल रियासत बरेली उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में शामिल दो आरोपितों को पहले काबू कर चुकी है। उप निरीक्षक मनोज की टीम ने गश्त के दौरान गोहाना बाईपास के पास से अवैध मादक पदार्थ सहित युवक को काबू किया था। उसके पास से अफीम व चरस मादक पदार्थ मिला था। आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। उप निरीक्षक सुनील की टीम ने दो आरोपिता को पहले काबू कर लिया था। वारदात में शामिल तीसरे आरोपित को काबू कर अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

अवैध हथियार सहित आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। एसयूएजी यूनिट सेक्टर-7 सोनीपत पुलिस ने अवैध हथियार की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित शिव कुमार उर्फ काला निवासी गांव नांगल कलां का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

उप निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि उनकी टीम 22 अगस्त को बढ़खालसा मोड असंल रोड नांगल कलां के पास मौजूद थी। गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने टीडीआई रोड से संदिग्ध हालत में युवक को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध देशी पिस्तौल व जेब से पांच जिंदा रौंद बरामद हुए। आरोपित के खिलाफ कुंडली थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया। सिपाही विकास की टीम ने आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर अदालत में पेश किया।

पिछले साल आए थे 11 डेंगू के केस, इस बार अब तक 23 केस आ गए सामने

जिले में जलभराव से बढ़ा डेंगू का खतरा, अगस्त में मिले डबल केस

स्वास्थ्य विभाग की तरफ से लोगों को जागरूक करने के लिए टीमों का किया हुआ है गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत। लारवा की जांच करते हुए व स्लाइड तैयार करते हुए विभाग की टीमें। *फोटो: हरिभूमि।*

शहर में तेज बारिश के बाद जलभराव की स्थिति से मच्छर जनित बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ गया है। गलियों और कॉलोनियों में जमा पानी की निकासी नहीं होने से मच्छरों का प्रकोप दोगुना हो गया है। नतीजतन डेंगू के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024 के अगस्त महीने में यहां कुल 11 केस सामने आए थे, वहीं इस बार अभी तक 23 केस दर्ज हो चुके हैं। जबकि अगस्त खत्म होने में अभी सात दिन शेष हैं। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि जिस गति से मामले बढ़ रहे हैं, सितंबर के मध्य तक डेंगू का प्रकोप चरम पर पहुंच सकता है। अस्पताल में फिजिशियन की ओपीडी में अकेले 400 से अधिक मरीज पहुंच रहे है, जिनमें अधिकांश बुखार से पीड़ित थे। डॉक्टरों के अनुसार, जलभराव और गंदगी के कारण डेंगू व मलेरिया के मरीज बढ़ने लगे हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, पिछले वर्ष अगस्त में 11 केस दर्ज हुए थे, सितंबर में 60, अक्टूबर में 167, नवंबर में 233 और दिसंबर में 31 केस मिले थे। स्वास्थ्य विभाग को आशंका है कि यदि इस बार समय रहते हालात नहीं सुधरे, तो पिछले साल से भी ज्यादा गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जिले में अब तक अगस्त माह में 24 डेंगू बुखार से ग्रस्त मरीज सामने आ चुके है।

कॉलोनियों में जलभराव से स्थिति विकट

शहर की कई कॉलोनियों में जलभराव ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सिद्धार्थ कॉलोनी के मुख्य मार्ग, इंडियन कॉलोनी की 100 फीट रोड व फ्लाईओवर से सटी गलियां, सुभाष स्टेडियम का खेल मैदान, नरेंद्र नगर और प्रगति नगर एक्सटेंशन सहित अन्य इलाकों में पानी जमा है। कई जगह सीवर ओवरफ्लो होने से हालात और बिगड़ रहे हैं। इंडियन कॉलोनी में तो गलियों में जमा पानी पर हजारों मच्छर मंडराते देखे गए। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अब तक फॉगिंग शुरू नहीं हुई है और शाम होते ही मच्छरों का प्रकोप इतना बढ़ जाता है कि लोग बाहर निकलने से कतराते हैं।

जिले में अब तक 1064 लोगों की जांच

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक जिले में 1064 लोगों की जांच की गई है, जिनमें से 23 लोग डेंगू पॉजिटिव पाए गए हैं। सोनीपत शहर से 11 केस, गन्नौर से चार, बढ़खालसा से चार, फिरोजपुर झांगर से दो, जबकि खरखौदा और मुड़लाना से एक-एक केस मिले हैं। वहीं मलेरिया के भी नौ मरीज सामने आए हैं। ये केस बिसवा मिल, लिवान, जिंदल यूनिवर्सिटी, गन्नौर, कबीरपुर, गोहाना और अर्बन सोनीपत से मिले हैं।

लापरवाही पर दे रहे नोटिस

विभाग की टीमें घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने के साथ लापरवाही मिलने पर नोटिस जारी कर रही हैं। फिलहाल बारिश का समय है, जिससे डेंगू के मामले बढ़े हैं। टीमें खड़े पानी में दवा डालने के साथ संदिग्ध जगहों पर फॉगिंग करवाने के निर्देश दे रही हैं। उन्होंने लोगों से भी सावधानी बरतने की अपील की।

-डा. जितेंद्र, नोडल अधिकारी डेंगू मलेरिया विभाग।

लिफ्ट में श्रमिक की मौत मामले में खुलासा

फैक्ट्री में पिटाई से हुई थी उमेश की मौत, अब हत्या का केस दर्ज

- 10 अगस्त की शाम फैक्ट्री में 5-6 युवकों ने की थी पिटाई, लिफ्ट में फंसा मिला था उमेश का शव।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

कुंडली औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्टरी में काम करने वाले श्रमिक की बेरहमी से पिटाई किए जाने के बाद मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के जिला गोंडा के गांव सेमरी कला निवासी उमेश (31) के रूप में हुई है, जो पंचकूला के कालका स्थित वाल्मीकि बस्ती में परिवार के साथ रहता था। वह डेढ़ माह पहले कुंडली सेक्टर-53 स्थित एक फैक्टरी में मशीन ऑपरेटर के रूप में कार्यरत हुआ था।

मृतक के भाई सोनू ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि 10 अगस्त की शाम करीब 6:30 बजे फैक्ट्री परिसर में पांच-छह युवकों ने उमेश पर हमला किया और उसकी बेरहमी से पिटाई की। हमलावर उसे गंभीर चोटें पहुंचाकर मौके से फरार हो गए। घायल उमेश को कमरे में ही छोड़ दिया गया। अगले दिन सोनू अपने भाई मुकेश व जीजा गुड्डू के साथ कुंडली पहुंचा। उमेश को पंचकूला सेक्टर-6 स्थित सरकारी अस्पताल ले गया। इलाज के दौरान 12 अगस्त रात उसकी मौत हो गई।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पुष्टि

चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि उमेश की मौत पिटाई से हुई गंभीर चोटों के कारण हुई है। रिपोर्ट में लिखा गया है कि चोटें इतनी गंभीर थी कि वे स्वयं मौत का कारण बनने के लिए पर्याप्त थीं। साथ ही विसरा को रासायनिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच के लिए भेजा गया है।

जल्द होगी गिरफ्तारी

सोनू के बयान पर कुंडली थाना पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। कुंडली थाना प्रभारी सेठी मलिक ने बताया कि पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है। जल्द आरोपित गिरफ्तार होंगे।

62 वर्षीय महिला की हत्या, अज्ञात के खिलाफ केस

गन्नौर। पिपली खेड़ा गांव में एक महिला की सिर पर हमला कर हत्या कर दी गई। वीरवार महिला की मौत के बाद शुक्रवार को थाना बड़ी पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा था। रिपोर्ट में महिला के सिर पर गहरी चोट के निशान पाए जाने से यह तथ्य सामने आए हैं। बता दें कि वीरवार की शाम 62 वर्षीय किताबो देवी घर में मृत मिली थी। परिजनों को लगा था कि गिरने से उसकी मौत हो गई। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने केस को हत्या में तब्दील कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सोनीपत। बच्ची से विकास कार्यों का शुभारंभ करवाते विधायक, मेयर व अन्य।

आश्रम की दीवार फांदकर दान पात्रों से चुराई नकदी, सीसीटीवी में कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

- सफेद कट्टे में पैसे डालकर आश्रम के गेट से बाहर निकले आरोपी।

जींद रोड स्थित चमत्कारी आश्रम की दीवार फांदकर चोरों ने तीन दानपात्रों से करीब सवा लाख रुपये चोरी कर लिए। घटना को रात के समय अंजाम दिया व सीसीटीवी में कैद हो गई। आश्रम ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष की शिकायत पर शहर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सहगल कॉलोनी निवासी राजेश गोयल ने बताया कि वह उसे रविवार सुबह करीब छह बजे ट्रस्ट के पुजारी देवेंद्र शर्मा ने फोन कर दान पात्रों से नकदी चोरी की सूचना दी। वह जब साथियों के साथ वहां पहुंचा तो दरबार के सामने रखे दानपात्र व हॉल में रखें अन्य दो दानपात्रों के ताले टूटे मिले। वहां लगे सीसीटीवी में रात करीब 12 बजे तीन युवक दीवार फांदकर आश्रम के अंदर घुसे व मेन गेट का ताला तोडक़र हॉल व दरबार में रखे दानपात्रों से चोरी की। सफेद कट्टे में रुपये डालकर गेट से बाहर जाते दिखाई दिए। दानपात्रों से 90 हजार से सवा लाख रुपए तक चोरी होने का अनुमान है।

शादी समारोह से लौट रहे स्कूटी सवार को ट्रक ने मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

- पानीपत से शादी समारोह से वापस सेवली लौट रहे थे किशोरी व सतपाल, सतपाल की मौत।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर ट्रक ने आगे चल रही स्कूटी सवार बुजुर्ग व उसका दोस्त ट्रक की चपेट में आ गए। जिसके चलते एक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा घायल हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची मुरथल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपकर ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।

सेवली निवासी किशोरी ने बताया कि वह अपने दोस्त सतपाल सिंह (55) निवासी उत्तम नगर के साथ स्कूटी पर सवार होकर पानीपत शादी समारोह में शामिल होने गए थे। दोनों स्कूटी पर वापस लौट रहे थे। मुरथल फ्लाइओवर पर पीछे से आ रहे ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में सतपाल की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। घायल को अस्पताल से उपचार के बाद छुट्टी मिल गई। पुलिस ने घायल किशोरी के बयान के बयान पर ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी मनमोहन ने बताया कि ट्रक चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। जल्द से जल्द से जल्द आरोपित को काबू कर आगामी अगली कार्रवाई होगी।

33 लाख की लागत से पक्की होंगी दिल्ली कैंप की गलियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

- विधायक निखिल मदान, मेयर राजीव जैन व पार्षद बबीता कौशिक की मौजूदगी में शुभारंभ।

रविवार सुबह विधायक निखिल मदान ने मेयर राजीव जैन के साथ मिलकर लगभग 33 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। सभी क्षेत्रवासियों ने विधायक और मेयर का आभार जताया और फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया।

विधायक निखिल मदान ने बताया कि 33 लाख रुपये की लागत से वार्ड नंबर 4 में दिल्ली कैंप की सभी गलियों को सीसी द्वारा पक्का किया जाएगा। इन गलियों में कुछ समय पहले दूषित जल भराव की समस्या को देखते हुए नई सीवरेज लाइन बिछाई गई थी। उसके पश्चात गली की हालत खस्ता हो गई थी। समस्या के संज्ञान में आने के बाद गली को पक्का करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई थी। रविवार को गली को पक्का करने के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया है।

मेयर राजीव जैन ने कहा कि निगम क्षेत्र की ऐसी गलियों को चिन्हित किया गया है, जिन गलियों में सीवरेज अथवा पेयजल आपूर्ति के लिए पानी की पाइप लाइन बिछाई गई थी, और उसके बाद गली की मरम्मत नहीं की गई थी। ऐसी सभी गलियों की मरम्मत और निर्माण के लिए उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। इस कार्य के पूरा होने से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। मेयर राजीव जैन ने कहा कि बरसात के चलते कुछ सड़कों के निर्माण में देरी हो रही है लेकिन अगले माह नगर निगम के अधीन आने वाले सभी सड़कों का नवनिर्माण कर दिया जाएगा। इस अवसर पर निगम पार्षद बबीता कौशिक, त्रिभुवन कौशिक, महेश जौहर, अजीत सिंह, संजय कुमार, नीतू राणा, सरोज, नरेश कुमार, सुरेश जौहर, राकेश कुमार,पवन तनेजा आदि लोग मौजूद रहे।

पुरखास धीरान में रातभर ब्लैकआउट रविवार सुबह बिजली सप्लाई बहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

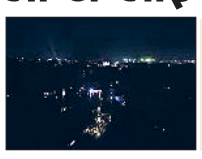

- बारिश में मिट्टी कटने से दो पोल हुए थे क्षतिग्रस्त।

गांव पुरखास धीरान में शनिवार रात को अंधेरा छा गया। बरसात और मिट्टी कटाव के चलते गांव में लगे बिजली के दो पोल झुक गए, जिससे तारें क्षतिग्रस्त हो गई और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि आधे से अधिक गांव में बिजली गुल हो गई और रातभर लोग अंधेरे में परेशान रहे। जानकारी के अनुसार, गांव के सड़क किनारे जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा खोदाई का काम किया गया था। बरसात होने से खोदी गई मिट्टी बह गई और जमीन कमजोर हो गई। इसी कारण वहां लगे दो बिजली पोल असंतुलित होकर झुक गए।

पोल झुकने से कई तार क्षतिग्रस्त हो गए और सप्लाई बाधित हो गई। रातभर बिजली ठप रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। इन्वर्टर जवाब दे गए, बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी हुई। रविवार सुबह बिजली निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और मरम्मत कार्य शुरू किया। टीम ने क्षतिग्रस्त तारों और पोल को ठीक किया। लगभग दोपहर बाद जाकर बिजली आपूर्ति बहाल हो पाई। सप्लाई बहाल होने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

पार्षद ने लिवान में सफाई अभियान किया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

राई। निगम पार्षद एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई स्वच्छता अभियान शुरू करते हुए।

- सफाई कर्मियों ने सीएसआई कृष्णा और सुपरवाइजर नितिन की देखरेख में सराहनीय कार्य किया, जताया आभार।

नगर निगम के वार्ड 8 के गांव लिवान में सफाई अभियान का निगम पार्षद व भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई ने शुभारंभ किया। सीएसआई कृष्णा व सुपरवाइजर नितिन की देखरेख में सफाई कर्मचारियों ने किया सराहनीय कार्य किया। वार्ड के लोगों ने सफाई करवाने पर आभार जताया। अभियान के दौरान सभी सफाई कर्मचारियों ने पूरी मेहनत और लगन के साथ सफाई का कार्य किया और अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया। गांव की गलियों और सड़कों पर फैली गंदगी को साफ किया गया।

कचरा हटाने के साथ-साथ नालियों की सफाई भी की गई। सफाई कर्मचारियों के प्रयासों से क्षेत्र का वातावरण स्वच्छ और स्वस्थ दिखाई दिया। लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता से ही गांव का वास्तविक विकास संभव है। राकेश कौशिक, डब्बू सरोहा, बॉबी वाल्मीकि, जयकरण रंगा, विनोद सरोहा ने भी अभियान में सहयोग किया और सफाई कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाया।

उन्होंने कहा कि सफाई केवल नगर पालिका या कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। निगम पार्षद पुनीत राई ने कहा कि स्वच्छता के बिना विकास अधूरा है। सीएसआई कृष्णा और सुपरवाइजर नितिन ने भी आम लोगों से भी अपील की कि वे घर-घर और गलियों में साफ-सफाई बनाए रखें और अपना कचरा खुले में न डालें।

डीसीआर विवि में छात्रों की कमी, 12 कोर्सों पर खतरा

अब 9वीं से 12वीं काउंसलिंग की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी) में दाखिला प्रक्रिया गहरे संकट में पहुंच गई है। आठ चरणों की काउंसलिंग के बावजूद सैकड़ों सीटें खाली पड़ी हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि 12 कोर्सों का अस्तित्व ही खतरे में है। इनमें दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या पांच से भी कम है। नियमों के अनुसार ऐसे कोर्स बंद किए जा सकते हैं।

सबसे ज्यादा संकट एमटेक कोर्सों पर मंडरा रहा है। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, मैकेनिकल, सिविल, वीएलएसआई डिजाइन, बायो-मेडिकल, सीईईईईएस और केमिकल इंजीनियरिंग जैसे कोर्सों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या 0 से 4 तक ही सिमटी हुई है।

एमएससी (गणित), एमएससी (भौतिकी) और एमएससी (पर्यावरण विज्ञान) भी न्यूनतम दाखिला सीमा तक भी नहीं पहुंच पाए हैं।

शून्य दाखिले वाले कोर्स

एमटेक (ईई, ईसीई, एमई, सीईईईईएस, ईवीएस) जैसे कई कोर्सों में अब तक एक भी दाखिला नहीं हुआ। इस वर्ष अब तक एमएससी (गणित) में सिर्फ चार और एमटेक (केमिकल) में केवल एक छात्र ने ही प्रवेश लिया है। जिससे कई कोर्स बंद होने का खतरा मंडराने लगा है।

फिजिकल काउंसलिंग ही आखिरी मौका

कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने बताया कि अब रिक्त सीटों को भरने के लिए 9वीं, 10वीं और 11वीं फिजिकल काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। इसमें वे छात्र भी भाग ले सकते हैं जिन्होंने प्रवेश परीक्षा नहीं दी। स्नातकोत्तर, ड्यूल डिग्री और बीसीए कोर्सों में भी कई सीटें खाली हैं। कुलपति ने इसे योग्य छात्रों के लिए आखिरी मौका बताया।

गढ़ी झंझारा रोड पर भरा नालियों का गंदा पानी बेहाल लोगों ने प्रशासन से समाधान की मांग

- लोगों ने नालों से पानी निकासी नहीं करने के लगाए आरोप।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गन्नौर। गढ़ी झंझारा रोड पर गंदे व दूषित पानी जमा होने के बाद निकलते वाहन चालक। *फोटो: हरिभूमि।*

गढ़ी झंझारा रोड पर गंदे व दूषित पानी के जमा होने से स्थानीय लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। हालात यह हैं कि बरसात के दिनों में स्थिति और भी ज्यादा बदतर हो जाती है। सड़क पर पानी भरा रहने से लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पैदल चलना तो दूर, वाहनों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। स्थानीयवासी महेंद्र, विकास, रणबीर ने बताया कि जलभराव केवल मुख्य मार्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ लगती गलियों में भी गंदा पानी भरा रहता है। नालियों की सफाई न होने और निकासी व्यवस्था के अभाव में यह समस्या विकराल रूप ले चुकी है। लोगों का कहना है कि गंदे और दूषित पानी के जमाव से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। कई बार शिकायतें करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। बरसात होते ही गंदा पानी गलियों में भी जमा हो जाता है। लोगों ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि प्रशासन की अनदेखी के कारण वे परेशान हैं । छोटे बच्चों और महिलाओं को सबसे ज्यादा कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एसडीएम प्रवेश कादियान से बातचीत की गई तो उन्होंने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही सफाई व निकासी की उचित व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने यह भी अपील की कि लोग अस्थायी रूप से कचरा और गंदगी नालियों में न डालें ताकि पानी की निकासी बाधित न हो।

खोखरा कोट

रोहतक शहर के मध्य बसे खोखरा कोट का इतिहास शताब्दियों पुराना है। खुदाई के दौरान यहां से 350 ई. पूर्व के प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने इसे अपने अधीन ले रखा है। इतिहासकार बताते हैं कि योधेयों के नगर रहे खोखरा कोट में राजप्रणाली प्रजातंत्र की होती थी। इसका अंतिम शासक खोखर गोत्र का व्यक्ति था, जिसकी वजह से इसका नाम खोखरा कोट पड़ा। कोट का अर्थ किला होता है।

सांग पुरोधाओं में शुमार रहे निहालचंद 'निहाल'

भावपक्ष व शिल्पपक्ष की दृष्टि से निहालचंद 'निहाल' का काव्य बेजोड़ है। भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्य, अध्यात्म, गुरुभक्ति, समाज-सुधार, नीति, नारी-सम्मान, देशभक्ति, युगबोध का चित्रण पग-पग पर अवलोकनीय रहा है।

कला-संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

साहित्य समाज का दर्पण होता है और लोक-साहित्य लोकजीवन का दर्पण होता है। लोकजीवन में जो कुछ घटित होता है उसका पूरा ब्यौरा लोक-साहित्य में समाहित रहता है। लोक-साहित्य की अनेक विधाएं हैं, जैसे लोकगीत, लोककथाएं, लोकगाथाएं एवं लोकनाट्य आदि। पर लोकनाट्य अर्थात सांग सभी कलाओं का समुच्चय है।

इसमें गीत, संगीत, कथा, नृत्य आदि सब कुछ समाहित रहता है इसलिए लोकजीवन में सबसे ज्यादा प्रभाव लोकनाट्य का पड़ता है। हरियाणा का सांग साहित्य कभी से बड़ा प्रसिद्ध रहा है। यहां पर अनेक महान सांगी हुए हैं, जिन्होंने इस कला को पोषित करने में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। इन्हीं में से एक थे सांग-पुरोधा निहालचंद 'निहाल'। निहालचंद 'निहाल' की गणना अपने समय के महान सांगियों में होती है। इनका जन्म 21 अक्टूबर, 1887 को गांव नांगल ठाकरान में एक गौड़ ब्राह्मण किसान परिवार में हुआ। सांग के क्षेत्र में इनका ऐतिहासिक बहुमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। इन्होंने हरिश्चंद्र, राजा उत्तानपाद, नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, भगत पूर्णमल, चाप सिंह, रामलीला, कृष्णलीला, महाभारत, राजाभोज-शरणदे, सरवर-नीर, चंदकिरण, ज्यानी चोर, जमाल-गबरू, गोपीचंद तथा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप आदि सांगों तथा अनेक मुक्तक भजनों की रचना की।

काव्य के भावपक्ष व शिल्पपक्ष की दृष्टि से इनका काव्य बेजोड़ है। भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्य, अध्यात्म, गुरुभक्ति, समाज-सुधार, नीति, नारी-सम्मान, देशभक्ति, युगबोध का चित्रण पग-पग पर अवलोकनीय है। हरियाणा समेत समस्त उत्तर भारत में इनके सांग होते थे। उस समय इनके सांगों की हर जगह धूम मची हुई थी और बाल व वृद्ध सभी बड़े चाव से इनके सांगों को देखते थे।

निहालचंद 'निहाल' ने अपनी खुली आंखों से लोकजीवन को देखा, जीया, जांचा और परखा तथा अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने अपने सांगों में लोक संस्कृति का प्रभावात्मक चित्रण किया जिसकी चहुंदिशा में प्रशंसा हुई। यही नहीं हरियाणा के सूर्यकवि पं. लखमीचंद जैसे लोकनाट्य कला के महारथी ने भी उनके पास रहकर सांगकला की बारीकियों को सीखा। इसका उल्लेख हिंदू विश्वकोश कोलंबिया (यू.एस.ए) में हुआ है। ऐसे महान कलाकार के लोक साहित्य के लिए किए गए योगदान को यहां प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

निहालचंद 'निहाल' का समय स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए बड़े संघर्ष का समय था। सभी भारतीय अपने-अपने तरीके से स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु प्रयास कर रहे थे। निहालचंद 'निहाल' भी अपने सांगों के माध्यम से अनेक अमर बलिदानियों के उदाहरण देकर लोगों को आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए और स्वदेशी सामान का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करते रहते थे। उन्होंने देशभक्ति की काफी

रचनाएं की और देश की आन, बान और शान पर मिटने वाले 'महाराणा प्रताप' का देशभक्ति प्रेरक सांग बनाया और अभिनीत किया। अपने भजनों में अंग्रेजों की खिलाफत की, जिसके कारण इन्हें, उनके क्रोध का भाजन भी बनना पड़ा। कई बार ऐसा न करने की चेतावनी मिली। उसके बाद गिरफ्तार भी कर लिए गए। इनकी देशभक्ति की रागनियाँ पूर्णतः प्रतिबंधित कर दी गई। दर्शनीय है इनकी यह रचना-

भाइयो हो ज्याओ सब त्यार,
देश माँगता कुर्बानी ॥
सिर पै कफन बांध ल्यो सारे।
इंकलाब के लाओ नारे।
गोर्यां नै घणे जुल्म गुजारे।
मारे बहोत घणे नर-नार,
होगे अमर बलिदानी ॥

निहालचंद 'निहाल' के सांगों में न्यूनाधिक मात्रा में सभी दर्शनों का उल्लेख हुआ है। साक्ष्यार्थ उनकी एक रचना प्रस्तुत है; जिसमें सत, रज, तम की त्रिगुणी माया, पंच भूत, दस इंद्रियों, पच्चीस प्रकृति आदि का वर्णन है-

उस निराकार परब्रह्म की छाया मिल गई।
पाँच तत्त्व जिनमैं त्रिगुणी माया मिल गई।
शहंशाह बण्या तू रय्यत राया मिल गई।
राजधानी सुन्दर नगरी काया मिल गई।
हाड माँस मज्जा रक्त और चाम-चाम-चाम ॥
मानज्या भजै नै मन राम - राम - राम ॥

मनुस्मृति में वर्णाश्रम व्यवस्था का पूर्ण उल्लेख

दादी सती मंदिर और दादा मालदेव मंदिर नांगल ठाकरान में लगाए गए बरगद के विशाल वृक्ष उनके प्रकृति प्रेम के साक्षी हैं तथा लोगों के जेहन में अब भी उनकी स्मृति को ताजा करते रहते हैं।

हुआ है। निहालचंद 'निहाल' ने अपने एक भजन के माध्यम से हमारी प्राचीन सामाजिक व्यवस्था को इस प्रकार प्रस्तुत किया है-

ब्राह्मण के छः कर्म वेद का पढ़णा और पढ़ाणा था।
वेदशास्त्र मनु-स्मृति गीता ज्ञान सुणाणा था।
दान का देणा खुद भी लेणा यज्ञ करणा, करवाणा था।
थी ब्रह्म की पहचान शील संतोष दयालु बाणा था।

पतिव्रत-धर्म नारी की उत्कृष्टता का सर्वश्रेष्ठ प्रतिमान है। निहालचंद 'निहाल' ने भारतीय संस्कृति के इस जाज्वल्यमान पक्ष को पतिव्रता द्रौपदी के माध्यम से उजागर किया है-

सुणै कथा भागवत ग्रहस्थ धर्म सीखै और हमें सिखावै।
आशा, तृष्णा, दुबधा, दुर्मति की नहीं तरफ लखावै।
नित अमृत भर्या रहै जिव्हा मैं चाखै और चखावै।
रवि, मंगल, पून्नम, एकादशी का राखै व्रत रखावै।
गऊ ब्राहाण साधू नै जिमा अँजल करै ब्रतीबासी ॥

हमारे लोकजीवन में आचरणीय और माचरणीय बातों की एक लम्बी श्रृंखला है। सज्जन लोग सदाचार की राह पर चलते हैं और दुष्ट सदा इसके विपरीत। अतः हमारी रीतिनीति को निहालचंद 'निहाल' ने इस प्रकार विवेचित किया है-

बेमतलब बेकाम जीत और हार नहीं करणी चाहिए।
सुण कायदे से बाहर नार की सार नहीं करणी चाहिए।
धाय वैद्य रसोइया मित्र से तकरार नहीं करणी चाहिए।
दस पाँच आदमी मना करैं वा कार नहीं करणी चाहिए।

भारतीय संस्कृति में मानवीय मूल्यों का बड़ा महत्त्व है। इसी सिद्धांत को अपनाते हुए निहालचंद 'निहाल' ने भारतीय संस्कृति में अनुस्यूत नैतिक मूल्यों की स्थापना की है। प्रमाण स्वरूप उनकी यह रागनी देखिए-

धीरज धर समय पड़ी मैं रै ॥
कड़वा बोलै विष घुलज्या।
आगै भली बुरी सब खुलज्या।
तुलज्या सत्त धर्म धड़ी मैं रै ॥

एक माँ के हृदय में अपनी संतान के प्रति अगाध वात्सल्य होता है। उसकी झलक निहालचंद 'निहाल' की इस रागनी में मिलती है। इसलिए बेटे के मरने का दुख व उस असहनीय स्थिति को उन्होंने निम्नलिखित रचना में इस प्रकार दर्शाया-

बेटा तेरे बिन रोहतास, रही ना तेरी माँ किसे दीन की, मरूँ कित टक्कर मारकै ॥

निहालचंद 'निहाल' के काव्य का भाव-पक्ष तो सबल था ही, उनका अभिव्यक्ति पक्ष एवं काव्य-सौंदर्य पक्ष भी दर्शनीय था। महारानी सुदेष्णा, सैरन्ध्री (द्रौपदी) के सौंदर्य की समता कभी ब्रह्माणी (सरस्वती), इन्द्राणी, लक्ष्मी, पार्वती और अग्नि की पत्नी स्वाहा से करती है, तो कभी उसे देवलोक की अप्सरा बताती है और उसके आंगिक सौन्दर्य को इस प्रकार उद्घाटित करती है-

तेरा नाक सुआ-सा मुँह बटवा-सा सुर्ख लबों पै लाली।
मिजगां के तीर अबरू कमान, दो जुल्फ नाग-सी काली।
तेरी तिरछी नजर प्रेम की चितवन, वार नहीं जा खाली।
कहै निहालचंद उस बेमाता नै तू घड़ी बैठ कै ठाली।
सुण कोयलबैनी मृगनैनी, तेरै घली कुदरती स्याही ॥
इस दुनिया मैं इतनी सुथरी कोन्या और लुगाई ॥

कीचक और सैरन्ध्री के संवादों में तो संयोग-श्रृंगार मानो जीवन्त ही हो उठा है। कीचक का सैरन्ध्री को रति-रण के लिए आमंत्रण में तो मानो श्रृंगार रस का सोता ही फूट पड़ा है। देखिए-

वो बाजीगर खेल रचावै, काम रति का मेळ मिलावै,
सैरन्ध्री म्हारै कद-कद आवै, दुख-सुख बुझूँ दारू पिलाकै।
सुकड़ रही सर्दी की मारी, काया खुलज्यागी गर्माकै ॥
बिछ रहे पिलंग निवारी सोइये, उठकै मुख साबुण से धोइये,
बाळ-बाळ मैं मोती पिरोइये, गूँथ लिए सिर चोटी न्हाकै।
लाइये तेल फुलेल शरीर मखमल सा हो ज्यागा नरमा कै ॥

करुण रस के छिटपुट प्रसंग तो इनके सभी सांगों में समाहित हैं, किन्तु महाभारत एवं विराट पर्व में इस रस का मार्काखेज वर्णन है। कीचक वध के उपरांत उसके भाई द्रौपदी को कीचक की अर्थी के साथ जीवित ही कीचक की चिता में झोंक देने की ठान लेते हैं। ऐसी हृदय विदारक स्थिति में असहाय द्रौपदी भगवान को टेरने के अतिरिक्त और कर भी क्या सकती है। निहालचंद 'निहाल' की अग्रदत्त रागनी में मानो करुण रस साकार हो उठा है-

बड़ी जोर से दान्ने चले, शमशान भूमि आ गई।
सती रुदन कर हारी बिचारी, फूल ज्यूँ कुम्हला गई ॥
बुलबुल फंसी है जाल मैं, नहीं बस चलै अब क्या करूँ।
रस्ता बता परमात्मा, मेरी आत्मा दुख पा गई ॥
कहैं निहालचन्द करता तू ही, मारै तू ही मरता तू ही।
अद्भुत प्रभु लीला तेरी, बुद्धि मेरी चकरा गई ॥

जीवन के अंतिम पड़ाव पर ये लोककल्याण एवं भक्तिभावना में लीन हो गए। इन्होंने जगह-जगह पीपल एवं बरगद के पेड़ लगाए तथा प्रतिदिन लोगों को गीता, महाभारत रामायण एवं पौराणिक कथाएं सुनाने लगे। सांग-पुरोधा निहालचंद 'निहाल' 24 फरवरी 1995 को अपने परिवार को भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश सुनाते-सुनाते ब्रह्मलीन हो गए।

उनके कर-कमलों से दादी सती मंदिर व दादा मालदेव मंदिर नांगल ठाकरान में लगाए गए बरगद के विशाल वृक्ष उनके प्रकृति प्रेम के साक्षी हैं तथा लोगों के जेहन में अब भी उनकी स्मृति को ताजा करते रहते हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि सांग की जिस ज्योति को निहालचंद 'निहाल' से पूर्व सांगियों ने प्रज्ज्वलित किया था, निहालचंद 'निहाल' ने उसमें अपनी साहित्य एवं काव्य साधना का घृत डालकर उस ज्योति को प्रकाशमान रखने का पूर्ण एवं सफल प्रयास किया है।

कविता | डॉ. फूल कुमार राठी

कुत्यां की पंचायत

झबरू बोल्या माणस जात नै, कर दिये घाव कसूते,
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

अलग होण तैं पहल्यां थमनै, बात ज्ञान की कह ज्यांगे,
हम तो दूर चले जांगे, पर कुत्ते फेर भी रह ज्यांगे।
ईश्वर थारा भला करैगा, बसो-घसो सुख मौज तैं,
म्हारै साथ किसी ए बण लियो, सारी हँस के सह ल्यांगे।
जै म्हारी कोए ग़लती हो तो, बेशक मारो जूते।
करण फ़ैसला बैठ गए मिल कै, दिल्ली के कुत्ते।

न्यारी करल्यो फैमिली आई.डी, न्यारे राशन कार्ड हों,
अलग हो सीमा, अलग बसासत, अलग गांव और वार्ड हों।
सारी सुविधा वो ल्यांगे, जो माणस जात नै मिलरी सैं,
जो म्हारे नेता और मंत्री, उनके भी बॉडी गार्ड हों।
इबी भी ना जागांगे तो, रह जावांगे सुत्ते।
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

अलग करो हदबस्त हमारी, खेवट तक भी न्यारी हों,
हम भी करल्यां पेट गुजारा, बोवण नै कुछ क्यारी हों।
माणस, छाणस नहीं काम के, इनकी पैड़ चालियो ना,
अपनी पंचायत के अंदर, सारी बात ब्यौहारी हों।
भोत रह लिए इनकै भरोसै, इब अपणै बलबूते,
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जंग की उमंग

आज अचानक त्यारी करली मां के जाये बीर तनै
छुट्टी छौड़ अधूरी बहना जाणा सै कश्मीर मनै

छुट्टी छौड़ अधूरी भाई आज क्यूकर होग्या जाणा
सीओ साहब की चिट्ठी आई चाहिए फर्ज निभाणा
इस चिट्ठी में के लिख राख्या चाहिए भेद बताणा
कारगिल में दुश्मन आकै करण लगा धिंगताणा
देश की रक्षा करणी सै या लिखा ल ई तकदीर तनै
देश कै उपर अर्पित करणी तन मन की जागीर मनै

देश की रक्षा करणी चाहिए बता कौण तनै नाटै सै
ताक़त शस्त्र दुश्मन आगै बिरला ऐ दिल डाटै सै
कायर और निडर नै भाई या रणभूमि छाटै सै
हे रण मैं चढज्या खून उबलते जब बेरा पाटै सै
दुनिया म्हा तै दुश्मन का ठाणा सांझा शीर तनै
तेरे बोला का मेरी छाती मैं गाड़ लिया तीर मनै

मां का दूध लजाइये मतना जब तनै जाणु मैं
कायर भाजै पिठ दिखाकै रण में छाती ताणु मैं
मेरे मन की चाही पुरी करदे याहे बात बखाणु मैं
गेरु गोले ओले सोले हे बणज्यागा परमाणु मैं
या सारी दुनिया जाणै सै भारत के रणधीर तनै
सदा तिरंगा सजा रहे या लौह की समझ लकीर मनै

केसर क्यारी कश्मीर हमारी दुश्मन के चाहवै सै
वो धोखा देकै आ बैठा के धोखे तै थावै सै
जल्दी करकै जा भाई क्यू सहम वार लावैसै
यो महेंद्र सिंह बिलोटे आला सिर बिस्तर ठावै सै
जाते जाते अपने हाथा देऊ पिला नीर तनै
जीत लड़ाई तेरे हाथा का खाणा हलवा खीर मनै

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

1857 का संग्राम | अंग्रेजों ने कर्नल हड़सन के नेतृत्व में एक सेना दिल्ली से 14 अगस्त 1857 को रोहतक के लिए की थी रवाना

रोहतक के किले में लगाया था रांघड़ों ने मोर्चा

इतिहास | यशपाल गुलिया

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मई 1857 में आरम्भ हुआ था, तब स्वतंत्रता सेनानियों ने दिल्ली को अंग्रेजों से मुक्त करवा लिया था, जो केवल चार मास तक ही कायम रहा। अंग्रेजों ने दिल्ली पर फिर से अधिकार करने के लिए पंजाब के देशी शासकों से सैन्य सहायता प्राप्त की तथा दिल्ली के बाहर बाड़ा हिन्दुराव के स्थान पर पड़ाव लगा लिया था।

दरअसल, दिल्ली की चारदीवारी के अन्दर सेनानियों का कब्जा था जिन्होंने उस अंग्रेज सेना से बाहर निकलकर अनेक बार युद्ध किए थे। उस अंग्रेज सेना को पीछे से आक्रमण का भय बना रहता था, जिसके लिए उन्होंने नजफगढ, खरखौदा तथा रोहतक तक सेनानियों से युद्ध करने पड़े थे। तब तक रोहतक का किला भी बेहतर अवस्था में था। उसी किले में आस-पास के रांघड़ों ने मोर्चा लगा लिया था। उल्लेखनीय है कि अंग्रेजों की प्रथम पंजाब कवैलरी केवल रोहतक के आसपास रांघड़ों द्वारा गठित थी। यह 1857 में मऊ में तैनात थी तथा वे सभी बगावत करके अपने हथियारों सहित रोहतक व खरखौदा आदि क्षेत्रों में संगठित हो गए थे। खरखौदा में विसारत में अली नामक रांघड़ तथा रोहतक में बबर खां नामक व्यक्ति ने युद्ध सामग्री के साथ-साथ नेतृत्व का निर्णय ले लिया। दिल्ली की रिज पर स्थित अंग्रेजों को जब रांघड़ों की तैयारियों का पता लगा तो उन्होंने कर्नल हड़सन के नेतृत्व में एक सेना रोहतक के लिए भेज दी। उस सेना में केवल अधिकारी अंग्रेज थे, जैसे मैकडोवल, लेफ्टिनेंट वाईज, कैप्टन वार्ड व लेफ्टिनेंट हफ गफ आदि। जबकि सैनिक भारतीय देशी शासकों द्वारा भेजे हुए थे।

इस प्रकार आदेशानुसार हड़सन ने दिल्ली से 14 अगस्त 1857 को रोहतक के लिए प्रस्थान किया। लेकिन 15 अगस्त को अंग्रेज सेना का

रोहतक के किले का वासतविक चित्र जोकि 1870 में एक अंग्रेज द्वारा लिया गया था।

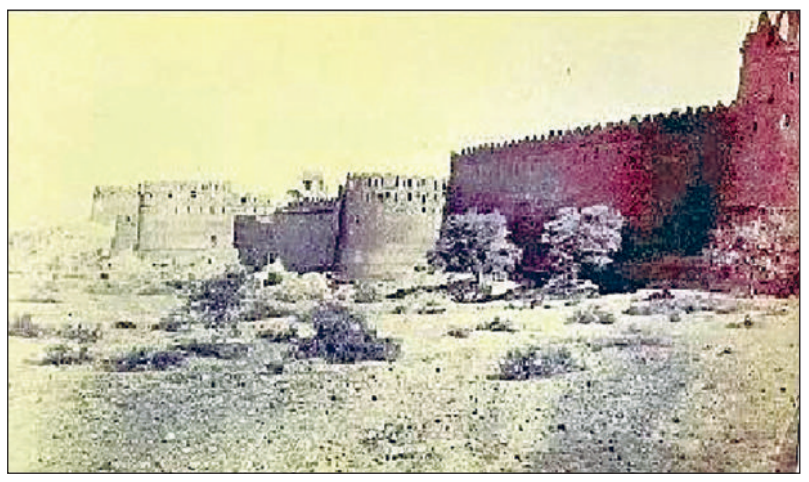

प्रस्थान खरखौदा में ही हो गया। विसारत अली के नेतृत्व में आस-पास के हसनगढ़ आदि के रांघडों ने हड़सन की सेना पर भीषण प्रहार किए लेकिन हथियार आदि के अभाव में खरखौदा के युद्ध में सेनानियों की पराजय हुई और अंग्रेज सेना 16 अगस्त को रोहतक को कुच कर गई। वहां जाकर हड़सन की सेना ने पुरानी कचहरी वाले स्थान पर पड़ाव लगा लिया। जबकि बबर खां के नेतृत्व में इकट्ठे हुए रांघड़ व पठानों ने किले में मोर्चा लगा रखा था। इनमें बागी सैनिकों के अतिरिक्त सिविलियन भी शामिल थे। एक अंग्रेज लेखक के अनुसार रोहतक में 300 घुड़सवार तथा 700 बन्दूकधारी इकट्ठे हो गए थे। अंग्रेज कमान्डर हड़सन ने सेनानियों की तैयारी देखकर 18 अगस्त को पीछे हटने का दम्भ भर दिया। इसके बाद किले से बाहर निकलकर सेनानियों ने अंग्रेज सेना पर आक्रमण कर दिया। लेकिन छलावे की रणनीति के कारण हड़सन की सेना ने रोहतक वालों को दो तरफ से घेर लिया और कुछ समय तक 18 अगस्त को भीषण युद्ध हुआ। इसमें

छलावे की रणनीति के कारण हड़सन की सेना ने रोहतक वालों को दो तरफ से घेर लिया और कुछ समय तक 18 अगस्त को भीषण युद्ध हुआ। इसमें सेनानियों को भारी हानि के बाद पराजय का मुंह देखना पड़ा। परन्तु रोहतक के किले पर कुछ बन्दूक धारियों की उपस्थिति के कारण वहां पर अंग्रेजों का कब्जा नहीं हो सका।

सेनानियों को भारी हानि के बाद पराजय का मुंह देखना पड़ा। परन्तु रोहतक के किले पर कुछ बन्दूक धारियों की उपस्थिति के कारण वहां पर अंग्रेजों का कब्जा नहीं हो सका। अंग्रेज सेना जसीया गांव की तरफ से सोनीपत की ओर कूच कर गई। यहां उल्लेखनीय है कि झज्जर व दुजाना के नवाबों ने तब कोई भूमिका अदा नहीं की और ना ही रांघडों व पठानों की किसी अन्य समुदाय ने सहायता की थी।

आश्चर्य की बात ये है कि 1857 के ऐसे भीषण युद्धों का पाठय पुस्तकों में भी वर्णन नहीं किया गया। जबकि खरखौदा के युद्ध में तो चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस पदक भी मिला था।

संस्कृति को जीवंत करने का माध्यम है हास्य कला : आजाद दूहन

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने के लिए लोक कलाकारों ने अपनी अलग-अलग विधाओं में समाज को भी नई दिशा दी है। ऐसे ही कलाकारों में हास्य कलाकार आजाद दूहन हरियाणवी संस्कृति का संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। हरियाणवी चुटकुला सम्राट के रूप में अपनी पहचान बना चुके रेडियो कलाकार आजाद सिंह दूहन ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर करते हुए कहा कि किसी भी विधा में कला के माध्यम से समाज को अपनी संस्कृति और सभ्यता तथा परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश देना संभव है।

लोक कलाकार आजाद सिंह दूहन का जन्म 2 अक्टूबर 1972 को हिसार जिले के गांव बनभौरी में एक किसान परिवार में श्रीचंद और रोशनी देवी के घर में हुआ। ग्रामीण पृष्ठभूमि में गांव में पले-बढ़े आजाद के परिवार में उनके दादा खेती करते थे और पिताजी श्रीचन्द्र मुख्य अध्यापक से सेवानिवृत्त हुए, जो अब परिवार में खेती बाड़ी करते आ रहे है। भले ही उनके परिवार में कोई साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन उनके दादा जी बचपन में उन्हें कहानियां सुनाते थे और उनसे भी कविताएं सुनते थे। घर में उनकी माता एक कुशल गृहणी रही हैं। इसलिए उनकी बचपन से ही संस्कृति एवं प्रकृति संरक्षण के प्रति अभिरुचि रही है। बकौल आजाद सिंह, उनकी प्राइमरी शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल से हुई। जबकि

इंटरमीडिएट बरवाला के स्कूल और एमएससी(भूगोल) में राजकीय कालेज हिसार से उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने जाट कालेज से बीएड की डिग्री हासिल की। बीएड के आधार पर आजाद एक शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए और फिलहाल वे पनिहारी के प्राइमरी स्कूल में अध्यापन कार्य कर रहे हैं। उनकी कला का यह सफर 1988 से शुरू हुआ, लेकिन 1990 में यह सफर राजकीय महाविद्यालय हिसार में उड़ान भरता नजर आने लगा, जहां उनके गुरु प्रो. प्रोफेसर गुगनराम गोदारा ने उन्हें हास्य कला के लिए बेहद प्रोत्साहित किया है और उनके मार्गदर्शन एवं सानिध्य में ही 'हरियाणवी नाटक, मंच संचालन, हरियाणवी हास्य में विशेषकर चुटकलों में भाग लिया। उनका कहना है कि शुरुआती दौर में उन्होंने परिवार को बिना बताये डरते-डरते लोक कला क्षेत्र कदम रखा, लेकिन धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो गया। 1993 में वह बिना बताए घर से नैनीताल कैंप में भाग लेने के लिए गये। उन्होंने फिल्म ऐपरिशियेशन वर्कशाप में भाग लेकर अभिनय की बारीकियां सीखी और इसी साल राष्ट्रीय यूथ लिडरसीप कैम्प नैनीताल में सर्वश्रेष्ठ कैम्पर का पुरुस्कार हासिल किया। हालांकि इससे पहले उन्होंने साल 1988 में दसवीं कक्षा के दौरान विद्यालय स्तर पर राजकीय उच्च विद्यालय बरवाला में पहली बार मंच से कविता सुनाई थी। उसके बाद युवा संसद प्रतियोगिता में भाग लिए लिया और यह युवा संसंद पूरे राज्य में प्रथम आई, जिसमें उन्होंने लोकसभा महासचिव के किरदार की भूमिका निभाई। आज वह एक रेडियो कलाकार के रूप में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयो के सांस्कृतिक निर्णायक मंडल में भी शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं मंचों पर उनकी हास्य व्यंग्य प्रस्तुति का मूल उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार एवं हरियाणवी संस्कृति एवं प्रकृति को बढ़ाना है। हरियाणवी हास्य नाटिका के मंच से लगातार पांच वर्ष तक हरियाणा दिवस पर चुटकुले सुनाने में प्रथम रहा। इस उपलब्धि को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा साल 1995 में उन्हें चुटकुला सम्राट के पुरस्कार से नवाजा गया। उन्होंने सातवें राष्ट्रीय युवा उत्सव का भी संचालन किया। यही नहीं, उन्होंने लगातार पांच साल तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक एवं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में राज्य स्तरीय चुटकुला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया।आधुनिक युग में लोक कला और संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर आजाद सिंह दूहन का कहना है कि इस इंटरनेट के युग में अभिनय, कला एवं संस्कृति संगीत बदलाव के दौर में है। वह संस्कृति एवं संगीत में अच्छे बदलाव के समर्थक हैं।

सम्मान और पुरस्कार

हरियाणा सरकार से चुटकुला सम्राट पुरस्कार और हरियाणा गौरव पुरस्कार से अलंकृत आजाद सिंह दूहन को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में रत्नावली हरियाणवी संस्कृति पुरस्कार भी मिल चुका है। वहीं कुरुक्षेत्र विविद्यालय में दूहन को सर्वश्रेष्ठ एक्टर के पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अशोका सांस्कृतिक अवार्ड भी दिया जा चुका है। हरियाणवी संस्कृति उपलब्धियां के आधार पर राज्य संस्कृति पुरस्कार और राष्ट्रीय स्तर पर अशोका सांस्कृतिक अवार्ड से भी उन्हें नवाजा जा चुका है।

खबर संक्षेप

राज्य ग्रैपलिंग प्रतियोगिता के लिए ट्रायल आज से

गोहाना। 18वीं राज्य स्तरीय ग्रैपलिंग प्रतियोगिताः 2025 के लिए सोनीपत ग्रेपलिंग टीम के चयन के लिए 25 अगस्त को गोहाना में सोनीपत रोड स्थित कर्ण स्पोर्ट्स अकादमी में ट्रायल ली जाएगी। ट्रायल सायं 3 बजे होगी।

एमेच्योर ग्रैपलिंग संघ ऑफ सोनीपत के चेयरमैन बताया कि गोहाना के शहीद मदनलाल धींगड़ा खेल स्टेडियम में 30 व 31 अगस्त को 18वीं हरियाणा राज्य ग्रैपलिंग प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से करीब 250 खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के लिए सोनीपत ग्रेपलिंग टीम के चयन के लिए ट्रायल 25 को गोहाना में मुल्तान सिंह राणा की अध्यक्षता होगी।

दादी प्रकाशमणी का जीवन समाजसेवा को समर्पित रहा

गन्नौर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम बसंत विहार में रविवार को आयोजित रक्तदान शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में रोटरी ब्लड बैंक सोनीपत की टीम के सहयोग से कुल 142 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर दादी प्रकाशमणी की 18वीं पुण्यतिथि पर आयोजित हुआ। आश्रम संचालिका बीके अर्चना ने रक्तदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि दादी प्रकाशमणी का जीवन समाजसेवा और मानवता को समर्पित रहा है। उनकी स्मृति में पूरे भारतवर्ष और नेपाल के 8 हजार से अधिक सेवा केंद्रों पर एक साथ रक्तदान शिविर आयोजित किए गए हैं। इसी कड़ी में गन्नौर में भी यह शिविर लगाया गया, जिसमें युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

माता वैष्णो देवी मंदिर में सुंदरकांड पाठ व भंडारा

सोनीपत। श्रीराम परिवार, सोनीपत की ओर से श्री सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन और श्रीरामकथा का आयोजन मोहल्ला कोट स्थित श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में किया गया। धार्मिक माहौल में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। संस्था के प्रमुख ओमप्रकाश अरोड़ा ने कहा कि श्रीरामचरितमानस के अनुसार सत्संग के बिना विवेक नहीं होता और प्रभु कृपा के बिना सत्संग नहीं मिलता। सत्संग ही आनंद और कल्याण की जड़ है। उन्होंने कहा कि दुष्ट भी सत्संग के प्रभाव से सुधर जाते हैं, जैसे पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है। पवन, श्याम रहेजा, ललित बत्रा, जतिन, महेश पांडे, दिनेश अरोड़ा, अश्विनी शर्मा, महेश, मुकेश, मनोज, धीरज सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

पशु प्रेमी ने कुंडल गांव में किया हवन

खरखौदा। कुंडल गांव में पशु प्रेमी तारीफ सिंह ने गांव में हवन यज्ञ व भंडारा किया। उक्त आयोजन इसलिए किया, क्योंकि वह अपने पशुओं से परिवार के सदस्य की तरह प्रेम करते है। बारह अगस्त को उनकी एक दो साल की कटिया कहीं लापता हो गई थी। जिसके कारण वे बहुत उदास हो गए थे। गांव व आसपास के गांव में भी कटिया की तलाश की गई, लेकिन कहीं पर भी पता नहीं चला। आखिरकार उसे 3 दिन बाद सूचना मिली कि खेतों की तरफ एक गहरे गड्ढे में उसकी कटिया गिरी हुई है। जिसको उन्होंने बाहर निकलवाया और वापस अपने घर ले आए। इसी खुशी में उन्होंने गांव में यज्ञ कराया और ग्रामीणों के लिए भंडारे का भी आयोजन किया।

प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे शिवराम : जगबीर

गोहाना। आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के तत्वावधान में रविवार को गांव दुभेटा में अमर शहीद राजगुरु की 117वीं जयंती मनाई गई। समारोह में नागरिकों ने राजगुरु के चित्र पर पुष्प अर्पित करके नमन किया। मुख्य अतिथि गोहाना हलके के पांच बार के विधायक और पूर्व मंत्री जगबीर सिंह मलिक ने कहा शिवराम राजगुरु भारत के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। उनका जन्म 24 अगस्त 1908 को पुणे महाराष्ट्र में हुआ था। वह ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने के लिए गठित हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य थे। मोर्चा के प्रदेश प्रचार मंत्री डॉ. समुंद्र दास महाराज आदि मौजूद रहे।

पदक विजेता खिलाड़ी स्टेट चैंपियनशिप के लिए चयनित

जिला स्कूली नेटबॉल चैंपियनशिप में प्रताप स्कूल ने जीते सात स्वर्ण पदक

विजेताओं ने सफलता का श्रेय माता-पिता, कोच और विद्यालय प्रशासन को दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

जिला सोनीपत स्कूली नेटबॉल चैम्पियनशिप में प्रताप स्कूल खरखौदा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते 7 स्वर्ण पदक अपने नाम किए और विद्यालय का नाम रोशन किया। पदक विजेताओं में अंडर-14 वर्ग में राहिल, अंडर-17 वर्ग में गजेन्द्र रावत, ओजस दहिया और जैफ दहिया, जबकि अंडर-19 वर्ग में देवांग चौधरी, देव और लक्की रावत शामिल रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का स्टेट चैम्पियनशिप के लिए चयन हुआ है। विद्यालय लौटने पर विजेताओं का फूलमालाओं से स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया, प्राचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया और कोच संसार दहिया ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रताप सिंह मैमोरियल शिक्षा समिति के प्रधान वेदप्रकाश पहलवान व संस्थापक सतप्रकाश नम्बरदार ने खिलाड़ियों को आशीर्वाद और शुभकामनाएँ दीं। द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया ने उम्मीद जताई कि प्रताप स्कूल के ये खिलाड़ी आने वाले समय में भारतीय नेटबॉल टीम का हिस्सा होंगे। एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया ने कहा कि प्रताप स्कूल के खिलाड़ी सिर्फ़ मैदान में ही नहीं, बल्कि पढ़ाई में भी अव्वल रहते हैं। विजेता खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, कोचों और विद्यालय प्रशासन को दिया।

खरखौदा। खिलाड़ियों का स्वागत करते स्कूल प्रबंधन। *फोटो :हरिभूमि*

खरखौदा। बॉक्सर रितिका को सम्मानित करते गणमान्य। *फोटो :हरिभूमि*

गोल्ड विजेता सिसाना की बेटी रितिका का किया भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

एशियन अंडर-22 बॉक्सिंग चैंपियनशिप (बैंकॉक-2025) में स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली सिसाना गाँव की बेटी रितिका दहिया का आज गाँव में भव्य स्वागत किया गया। जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, राई विधायक कृष्णा गहलावत, खरखौदा विधायक पवन, मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र दहिया, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के भाई हरपाल ढांडा ने भी पहुंच कर बेटी को आशीर्वाद दिया। दयानन्द वाटिका में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि सरकार ने शिक्षा व खेल को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं बनाई हुई है। जिनका लाभ खिलाड़ियों मिल रहा है। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि छोरियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। रितिका दहिया ने बॉक्सिंग जैसे कठिन खेल में गोल्ड मेडल जीतकर यह साबित कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। समारोह में जब रितिका मंच पर पहुँचीं तो तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा पंडाल गूँज उठा। रितिका ने भी गाँववासियों और अपने समर्थकों का आभार जताते हुए कहा कि यह मेडल केवल उनका नहीं बल्कि पूरे गाँव और प्रदेश का है। दहिया खाप प्रमुख सुरेंद्र बाणियां ने चांदी का मुकुट व अन्य लोगों द्वारा गदा, नोटों की माला पहनाकर रितिका को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मास्टर रामपाल आर्य, नरेश दहिया, अनिल सेहरी, पूर्व सरपंच कृष्ण, जग्गी सरपंच, दहिया खाप प्रधान जयपाल दहिया, विक्की नंबरदार, शक्ति ठेकेदार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सोनीपत। पदक दिखाते जय सूरज साथ में उनके पिता एवं कोच। *फोटो :हरिभूमि*

शूटिंग प्रतियोगिता में जय सूरज ने जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के धौलाकुआं में आयोजित राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में सोनीपत निवासी जय सूरज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 18 अगस्त तक पुलिस क्लब धौलाकुआं द्वारा किया गया।

जय सूरज ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में नेशनल राइफल एसोसिएशन की ओर से भाग लेते हुए 400 में से 335 अंक हासिल किए और तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा उन्होंने 25 मीटर .22 पिस्टल और 50 मीटर राइफल ओपन साइट में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के शूटर्स ने भाग लिया। 14 वर्षीय जय सूरज सोनीपत के खन्ना कॉलोनी के निवासी हैं और जानकीदास कपूर पब्लिक स्कूल में 10वीं कक्षा के छात्र हैं। वे पिछले तीन माह से गेटवे शूटिंग अकादमी, सोनीपत में कोच लव खत्री से प्रशिक्षण ले रहे हैं। जय ने अपनी सफलता का श्रेय इंदिरा गांधी खेल परिसर के पदाधिकारियों ईश्वर रोहाल, रविंद्र भारद्वाज, विक्रांत राणा और अपने कोच को दिया। उनके दादा ओमप्रकाश पराशर, जो पूर्व सैनिक और आबकारी एवं कराधान विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं, ने बताया कि जय अब सितंबर-अक्टूबर में दिल्ली में होने वाली प्री नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे।

गन्नौरः सामाजिक सेवा संकल्प के साथ नई टीम ने संभाला पदभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

लायंस क्लब गौरव का अधिष्ठापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि लायन दिनेश बत्रा, विधायक देवेंद्र कादियान एवं विधायक की धर्मपत्नी रानी कादियान उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ रमन गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। इंस्टॉलेशन चेयरपर्सन हरीश वधवा ने कार्यक्रम की रूपरेखा और व्यवस्था का सफल संचालन सुनिश्चित किया। विधायक देवेंद्र कादियान ने लायंस क्लब के उद्देश्यों और उसकी सामाजिक सेवाओं पर प्रकाश डाला। बताया कि क्लब का मुख्य लक्ष्य शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना है। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति आगे आकर सेवा भाव से कार्य नहीं करेगा, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है। अजय गोयल ने अधिष्ठापन अधिकारी की भूमिका निभाते हुए नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और उन्हें समाज सेवा की राह पर निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता दिनेश दीपक जोशी ने लायंस क्लब की कार्यप्रणाली और वैश्विक स्तर पर हो रही सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। चारु चांदना,रजत हांडा, नेहा, विकांत हांडा, मीनू, तरुण चुग, गीता, अमित सेठी, ज्योति, सुनील गोयल, विधि, अंकुर वेदी आदि मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र एवं रानी का पुष्प कुछ देकर स्वागत करते क्लब के पदाधिकारी।

337 युवाओं ने किया उत्साह से रक्तदान

रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर रॉयल ने लगाया शिविर, 337 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर रॉयल द्वारा रविवार को शिव पार्क में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं, आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 337 यूनिट बहुमूल्य रक्त दान किया। शिविर में बतौर विशिष्ट अतिथि पूर्व गवर्नर दीपक गुप्ता ने अपनी धर्मपत्नी रीना गुप्ता के साथ शिरकत कर शिविर का शुभारंभ किया। असिस्टेंट गवर्नर संदीप आहूजा और रोटरी ब्लड बैंक सोनीपत के अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने भी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, जो जरूरतमंद की जान बचाने में सहायक होता है। क्लब के प्रधान प्रवीण मित्तल ने बताया कि रोटरी क्लब रॉयल समय-समय पर ऐसे सामाजिक और मानवता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है। क्लब के सचिव नितिन बंसल ने कहा कि गन्नौर के लोगों में रक्तदान को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिलता है। जागरूकता के माध्यम से अधिक से अधिक लोग इस पुण्य कार्य से जुड़ सकते हैं। प्रोजेक्ट चेयरमैन अजय त्यागी व अंकित गोयल ने कहा कि रक्त न तो किसी फैक्ट्री में बनाया जा सकता है और न ही इसका कोई विकल्प तैयार किया जा सकता है। यह केवल इंसान ही इंसान को दे सकता है। वार्ड नंबर 7 के पार्षद अंकित त्यागी और पार्षद राजेश शर्मा ने भी रक्तदान कर दानदाताओं का हौसला बढ़ाया। पार्षद अंकित त्यागी ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। क्लब के पदाधिकारी अनिल जैन, सचिन वधवा, पवन कुमार, नितिन जैन, सुरेंद्र शर्मा, संदीप वर्मा, यश जैन, नंदकिशोर त्यागी और मुकुल बंसल ने शिविर को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

पूर्व गवर्नर दीपक गुप्ता व धर्मपत्नी रीना का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान करते हुए।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करते हुए।

वरिष्ठ नागरिकों का मनाया सामूहिक जन्मोत्सव

सोनीपत। वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति के तत्वावधान में सेक्टर 15 स्थित कम्युनिटी सेंटर में बुजुर्गों का सम्मान समारोह किया गया। समारोह की अध्यक्षता समिति के प्रधान प्रेम रेलन ने की व मुख्य अतिथि के तौर पर नन्द लाल तनेजा उपस्थित रहे। समारोह का शुभारम्भ गायत्री मन्त्र के उच्चारण से किया गया, तत्पश्चात अगस्त माह में जन्मे 13 बरिष्ठ नागरिकों का सामूहिक जन्मोत्सव अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ द्वारा किया गया तथा उन्हें समिति द्वारा उपहार प्रदान किये गए। इस दौरान विजय मित्तल, प्रेम रेलन, हरबन्सलाल अरोड़ा, नरिंदर झाम्ब, रवि कपूर आदि ने भक्ति के भजन, देश भक्ति के गीत, कविताएं व शेरो शायरी प्रस्तुत की। सभा को रविंद्र सेठ, टेक चंद त्रिवेदी रवि कपूर व नवीन तनेजा ने सम्बोधित किया। सीता राम भारद्वाज तथा अशोक छाबड़ा ने सभी वरिष्ठ नागरिकों का आभार व्यक्त किया। ओम प्रकाश मुंजाल, किशन मिड्ढा, सुशील सयाल, हरीश कपूर, प्रोमिला, सतीश विरमानी इत्यादि सदस्य मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

- राजपूत लखेरा समाज व एजुकेशन हब द्वारा भव्य पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

सोनीपत एजुकेशन हब व लखेरा राजपूत समाज के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान फलदार व छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यावरण मित्र मनीष उपस्थित रहे। उन्होंने पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डालते सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आग्रह किया। इस मौके पर सोनीपत एजुकेशन हब के संस्थापक देवेंद्र ने पौधारोपण की जिम्मेदारी लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। एसआरके स्किल सेंटर के संचालक जोगेंद्र ने सभी को इस सराहनीय मुहिम से जुड़ने का आग्रह किया और पर्यावरण की रक्षा हेतु पौधरोपण को आवश्यक बताया। एसआरके स्किल सेंटर के संचालक जोगेंद्र ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल वृक्षारोपण करना था, बल्कि समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना जागृत करना भी था। मुकेश, पटवारी रामफल, दीवान लखेरा, राजेश चौहान, सुरेश चौहान, सुधीर, सुनील, सुभाष, धर्मपाल सहित लखेरा राजपूत समाज के कई अन्य सदस्य प्रमुख रूप से शामिल रहे।

राजपूत लखेरा समाज व सोनीपत एजुकेशन हब द्वारा पौधरोपण करते।

गोहाना। पदक विजेता खिलाड़ी अपने गुरुजनों के साथ। *फोटो : हरिभूमि*

करारे प्रतियोगिता में जीते 16 पदक

गोहाना। शहर में नागरिक अस्पताल के सामने स्थित बाल भारती विद्यापीठ के खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में 14 स्वर्ण पदक सहित 16 पदक जीत लिए। स्कूल प्रबंधन ने अपने पदक विजेता खिलाड़ियों को समारोहपूर्वक सम्मानित किया। मार्गदर्शन स्कूल के एमडी हरि प्रकाश गौड़ का रहा। अध्यक्षता प्राचार्या एवं जिला सोनीपत कराटे संघ की उपाध्यक्ष सुमन कौशिक ने की। 19 और 21 अगस्त को मेजबान स्कूल में जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिला सोनीपत कराटे संघ के महासचिव, हरियाणा खेल कराटे संघ के सहसचिव व कोच अनिल भारद्वाज के अनुसार इस प्रतियोगिता में अंडर-14 आयु वर्ग के विभिन्न भारवर्गों में अवनी, भाविका शर्मा, माही चहल, माही गर्ग, प्रिंजल, यश, लक्षित और पलक मालिक, अंडर-17 आयु वर्ग में अंशिका, भाविका लठवाल, तनिष्क और हर्षित, अंडर-19 आयु वर्ग में प्रीत सिंह ने स्वर्ण पदक हासिल किए।

धरा को हरा-भरा बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं: सिंह

पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए सेक्टर-12 पार्क में पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

पर्यावरण को स्वच्छ और हराभरा बनाने के उद्देश्य से सेक्टर-12 स्थित नेताजी सुभाष चंद्र पार्क में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पांच प्रकार के पौधे लगाए गए। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधों की सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी दिलबाग सिंह, प्राध्यापक अर्पित सिंह और एकलव्य ने ली।

पौधरोपण के अवसर पर दिलबाग सिंह, हिंदी प्राध्यापक ने कहा कि पौधे लगाने से न केवल वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि मन को भी शांति मिलती है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि धरा को हरा-भरा बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं और पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहयोग दें।

सोनीपत। पौधरोपण करते दिलबाग सिंह एवं अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने की कवायद तेज

एक एकड़ में लगाया ऑक्सीजन बाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को अपने साप्ताहिक अभियान के तहत सिंचाई विभाग की एक एकड़ भूमि पर आक्सीजन बाग लगाया। संगठन द्वारा इस भूमि पर विभिन्न किस्मों के 228 पौधे रोपे।

संगठन द्वारा करीब डेढ़ दशक पहले गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के लिए गोद लिया था। गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के लिए संगठन द्वारा सप्ताह के प्रत्येक रविवार को सार्वजनिक स्थलों पर और सडक़ों के किनारे खाली जगह में पौधारोपण किया जाता है। संगठन द्वारा इस साप्ताहिक अभियान के तहत अब तक शहर में हजारों की संख्या में विभिन्न किस्मों के पौधे रोपे जा चुके हैं। काफी पौधे तो छाया और फल भी देने लगे हैं। संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा के अनुसार इस अभियान के तहत संगठन द्वारा रविवार को सिंचाई विभाग की एक एकड़ भूमि पर बरगद, पीपल, शीशम, जामुन, नीम, अर्जुन, सरस, बोतल ब्रश और जंगली जलेबी के 228 पौधे लगाकर ऑक्सीजन बाग लगाया। पौधारोपण में सतीश कुमार, मुकेश, राजेश कुमार, बलजीत जांगड़ा, श्रीभगवान खंडेलवाल, इंदिरावती, संतोष, प्रवीन कश्यप, जगदीश अस्सीवाल और राजबीर ने अपनी सेवाएं दी।

गोहाना। पौधरोपण करते हुए संगठन के सदस्य व आम नागरिक। *फोटो : हरिभूमि।*

रकबा 6 लाइनों में विभाजित

गोहाना में महम रोड मिनी बाइपास के सामने सिंचाई विभाग की 1 एकड़ भूमि खाली पड़ी हुई थी। संगठन द्वारा इस पूरे रकबे को पौधारोपण के लिए छह लाइनों में विभाजित किया। यहां आसपास आबादी क्षेत्र है। जब ये पौधे बड़े होंगे तब यहां का पूरा वातावरण हरा-भरा बन जाएगा।

खबर संक्षेप

'वोट चोर सत्ता छोड़' मुहिम की शुरुआत की

सोनीपत। कांग्रेस के युवा प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया ने शनिवार सुबह जीटी रोड मुरथल से 'वोट चोर सत्ता छोड़' मुहिम की शुरुआत की। इस दौरान आने-जाने वाले वाहनों पर पोस्टर लगाए गए। राहगीरों ने भी इस अभियान का समर्थन किया। निशित कटारिया ने कहा कि युवा कांग्रेस गांव-गांव जाकर इस मुहिम को जन आंदोलन का रूप देगी। हरियाणा का युवा अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रहा है।

दो दिवसीय 'क्षमता संवर्धन कार्यक्रम' का समापन

सोनीपत। इंडियन मॉडर्न स्कूल में सीबीएसई द्वारा निर्देशित दो दिवसीय 'क्षमता संवर्धन कार्यक्रम' का सफलतापूर्वक समापन किया गया। यह कार्यक्रम 23 एवं 24 अगस्त को किया गया, जिसका विषय था अंग्रेजी भाषा और साहित्य इस दो दिवसीय कार्यशाला का संचालन सुप्रसिद्ध शिक्षाविद सत्या चौधरी तथा डॉ. निशा कुमारी द्वारा किया गया।

एडीसी व पीडब्ल्यूडी विभाग की टीम ने अस्पताल परिसर का किया दौरा

नागरिक अस्पताल को मिलेगा नया एमसीएच विंग, मरीजों को राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिल नागरिक अस्पताल से इलाज कराने वाले मरीजों के लिए खुशखबरी है। लंबे इंतजार के बाद अब अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) विंग का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने साइट का दौरा कर तैयारियां पूरी कर ली हैं। कंपनी को वर्क अलॉट हो चुका है और अगले 15 दिनों में काम शुरू कर दिया जाएगा। जिला अतिरिक्त उपायुक्त व पीडब्लूडी विभाग के अधिकारियों ने निर्माण जगह का दौरान कर अस्पताल प्रबंधन को जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द से जल्द कार्य को शुरू किया जायेगा।

बता दें कि 26 जनवरी 1989 में जिले को नागरिक अस्पताल की सौगात मिली थी। इन वर्षों में यहां सीटी स्कैन और डायलिसिस जैसी कई सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन मातृ एवं शिशु विंग की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी। अब इस बिल्डिंग के बनने से अस्पताल की क्षमता और सुविधाओं में बड़ा इजाफा होगा। इससे मातृ व शिशु मृत्यु दर में कमी आने की उम्मीद है और गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के समय बाहर रेफर करने की समस्या भी काफी हद तक खत्म हो जाएगी।

सोनीपत। परिसर में दौरा और आपस में बातचीत करते हुए अलग-अलग विभागों के अधिकारी।

सुविधाओं की होगी बढ़ोतरी

जिला वासियों के लिए बेहद खुशखबरी है। ईमारत बनने से सुविधाओं की बढ़ोतरी होगी। रेफर करने की समस्या काफी हद तक कम हो जायेगी। आगामी 15 दिनों में कार्य के शुरू होने की उम्मीद है। वहीं परिसर में खड़ी कड़म गाड़ियों को उठाने के निर्देश दे दिए है। **-डा. ज्योत्सना,** जिला स्वास्थ्य अधिकारी।

चार साल से ज्यादा का हो चुका इंतजार अब जल्द कार्य शुरू होने की उम्मीद

अस्पताल में इस बिल्डिंग का इंतजार साढ़े चार साल से किया जा रहा था। वर्ष 2021 में इसकी प्लानिंग शुरू हुई, दिसंबर 2022 में प्रशासनिक मंजूरी मिली, जून 2023 में नक्शे को हरी झंडी मिली और नवंबर 2024 में टेंडर प्रक्रिया पूरी हुई। लेकिन सीएम से मंजूरी न मिलने के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। अब हरी झंडी मिलने के बाद काम तेजी से शुरू होने की उम्मीद है।

सात मंजिला व 100 बेड की होगी क्षमता एक अरब से ज्यादा की राशि होगी खर्च

करीब 100 बेड क्षमता वाला यह एमसीएच विंग सात मंजिला होगा, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू), कंगारू मदर केयर (केएमसी) और 24 घंटे विशेषज्ञ डॉक्टरों की सुविधा होगी। गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए अलग-अलग ओपीडी भी शुरू होंगी। समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों को बेहतर इलाज मिलेगा और मरीजों को बाहर रेफर करने की दर में कमी आएगी। अधिकारियों के अनुसार, नई बिल्डिंग अस्पताल की पुरानी इमारत के पीछे बनाई जाएगी। इस पर करीब 1 अरब 38 करोड़ 12 लाख रुपये खर्च होंगे। केवल एमसीएच विंग पर ही लगभग 55 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही अस्पताल में प्रशासनिक भवन भी बनाया जाएगा। नई इमारत में पार्किंग की सुविधा होगी, जिससे वाहनों को इधर-उधर खड़ा करने की समस्या खत्म होगी।

गन्नौर विधानसभा में भाजपा मंडल कार्यशालाएं सम्पन्न

गन्नौर। भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आज़ाद सिंह नेहरा कार्यशाला में मार्गदर्शन करते हुए ।

- भाजपा के इतिहास और पार्टी की विचारधारा के बारे में विस्तार से दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के लोकसभा संयोजक आज़ाद सिंह नेहरा व पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र कौशिक ने गन्नौर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित मंडल कार्यशालाओं को संबोधित किया। पहली कार्यशाला पुरखास मंडल की ओर से नव ज्योति पब्लिक स्कूल, भांबर में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संजय गौतम ने की। इसके पश्चात दूसरी कार्यशाला राजपुर मंडल के भुरी गांव में मंडल अध्यक्ष श्रवण कौशिक के निवास पर संपन्न हुई। आज़ाद सिंह नेहरा व भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक ने दोनों कार्यशालाओं में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के इतिहास, संगठनात्मक संरचना और पार्टी की विचारधारा के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर वेदपाल अंटिल, अमित सेनी, महामंत्री दीपक नेन, अमित सरोहा, पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास मलिक, महिला मोर्चा अध्यक्ष उमेश बैरागी, राजपुर मंडल अध्यक्ष शीला देवी, भुरी गांव के सरपंच पिंटू शर्मा, आशीष पंडित, एडवोकेट जगबीर राठी, त्रिलोक चंद शर्मा, सोनू जांगड़ा, इकबाल राठी, शमशेर तूफान, नवीन वशिष्ठ, राकेश पूर्व सरपंच सांदल कला, मामन सिंह, पंडित जयनारायण, महाबीर जोगी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला पार्षद ने इनेलो की सदस्यता की ग्रहण

सोनीपत। इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान जिला पार्षद राकेश दहिया ने भाजपा छोड़कर इनेलो की सदस्यता ग्रहण की है। नाहरा गांव में अभय सिंह चौटाला की मौजूदगी में जिला पार्षद राकेश दहिया नाहरा ने भारतीय जनता पार्टी छोड़कर पूर्व एसपी अनूप सिंह दहिया के प्रयास से इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। इनेलो सुप्रीमो चौधरी अभय सिंह चौटाला ने जिला पार्षद का स्वागत किया।

बच्चों को नशे से बचाने के लिए अध्यात्म और खेलों से जोड़ें : अनिल कुमार

- हरियाणा कायकिंग एवं कैनोइंग एसो. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर अनिल कुमार का किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शिवनगरी धनाना के अनिल कुमार को हरियाणा कायकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति को लेकर उनके गांव धनाना में खुशी का माहौल है। इस खुशी में ग्रामीणों ने गांव स्थित व्यायामशाला में उनका नागरिक अभिनंदन किया। इस नियुक्ति को लेकर अनिल कुमार ने हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष कप्तान मीनू बेनीवाल का आभार व्यक्त किया। नवनियुक्त प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि युवा वर्ग देश का भविष्य है। देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवा वर्ग का सुदृढ़, अनुशासित एवं संस्कारवान होना आवश्यक है। अभिभावक अपने बच्चों को नशे से बचाने के लिए

गोहाना। युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करते हुए नवनियुक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार व ग्रामीण।

उनको अध्यात्म एवं खेलों से जोड़ें। समारोह के विशिष्ट व्यक्ति गुरुग्राम से नगर पार्षद अमित भडाना थे। समारोह में पहलवान वजीर सिंह, पं. रमेश, पुजारी राजेश शास्त्री, सरपंच प्रतिनिधि अनिल, डॉ. राममेहर राठी, अनिल ढुल, मास्टर ओमप्रकाश भौरिया, बिजेंद्र शास्त्री, सोनू नंबरदार, पं. विजय पहलवान, मास्टर श्रीभगवान, सुनील, पं. श्याम कूकू, समुंद्र, सोमबीर उर्फ काला, राजू खनगवाल और सुनील सहित अन्य मौजूद रहे।

पुस्तक मेले में छात्रों ने लिया किताबों से अतिरिक्त ज्ञान

राई। अभिभावक- शिक्षक सम्मेलन (पी.टी.एम.) का आयोजन स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल में किया गया। पीरियॉडिक असेसमेंट-2 के संपन्न होने के उपरांत आयोजित यह पीटीएम बेहद खास थी, जिसमें कक्षा प्री-प्राइमरी से लेकर बारहवीं तक के सभी अभिभावकों ने हिस्सा लिया और अपने बच्चों के प्रगति विवरण पर संबंधित शिक्षकों के साथ विस्तार से चर्चा किया। विद्यालय परिसर में पुस्तक मेले का भी आयोजन किया गया था। विद्यालय के प्रधानाचार्य रोहित पंडा, मुख्याध्यापक एस. पी. सिंह, मुख्याध्यापिका मेघा कौशिक सहित सभी शिक्षक मौजूद रहे।

राई। पीटीएम एवं पुस्तक मेले में सम्मिलित स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी।

आम आदमी पार्टी मजबूती से लड़ेंगे आगामी निगम चुनाव : अहलावत

- आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुरेंद्र अहलावत पहुंचें सोनीपत, पदाधिकारियों की ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

आज आम आदमी पार्टी जिला सोनीपत के सभी पदाधिकारियों व वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक सोनीपत कोर्ट कॉम्पलेक्स में सम्पन्न हुई है। जिसकी अध्यक्षता आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्र अहलावत ने की। बैठक में आम आदमी पार्टी के संगठन के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण चर्चा हुई व जनहित के मुद्दों को जोर शोर से उठाने तथा आगामी सोनीपत नगर निगम के चुनाव से संबंधित वार्ड पार्षद एवं मेयर चुनाव की रणनीति पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। बैठक के बाद आप नेता सुरेंद्र अहलावत ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि सोनीपत के आगामी नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी जोर शोर से चुनाव में उतरेगी और शिखर ही संगठन का विस्तार कर पार्टी जनता के बीच में वर्तमान सरकार की जन विरोधी नीतियों की पोल खोलने का कार्य करेगी। बैठक में जिला अध्यक्ष ग्रामीण महेंद्र छिकारा, पूर्व प्रत्याशी राई विधानसभा एवं जिला अध्यक्ष शहरी राजेश सरोहा, मंजीत पूर्व प्रत्याशी खरखौदा, सरोजबाला पूर्व प्रत्याशी गनौर, रणबीर छिकारा, जोगा पहलवान, शेर मोहम्मद योगेश आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित आप के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र अहलावत।

रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं : मेयर

सोनीपत। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है, वजह रक्त का कोई विकल्प नहीं है और जरूरतमंद मरीज को रक्त की पूर्ति रक्तदान के माध्यम से ही संभव है। राजीव जैन रविवार को नांगल कला में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित ज्ञान सरोवर के प्रांगण में दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर 76 रक्तदाताओं ने रक्तदान करके स्व दादी प्रकाशमणि को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा कि रक्तदान समाज की उत्तम सेवा है। विभिन्न प्रकार की बीमारियों से पीड़ित मरीजों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता रहती है।

कार्यकर्ता ही भाजपा संगठन की असली ताकत : बिजेंद्र

गोहाना। रविवार को भाजपा के बुटाना मंडल के कार्यकर्ताओं की कार्यशाला गांव बुटाना और भैंसवाल मंडल के कार्यकर्ताओं की कार्यशाला गांव मोई हुड्डा में आयोजित की गई। पार्टी के नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत बनाने और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति के पात्र लोगों तक पहुंचाने का प्रशिक्षण दिया। भाजपा के गोहाना जिला के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं। जब कार्यकर्ता मेहनत व ईमानदारी से काम करते हैं तो संगठन और अधिक मजबूत बनता है।

भाजपा की विचारधारा से अवगत कराया

- भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचारधारा और आंदोलन : कृष्णा गहलावत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की जाखौली मंडल की कार्यशाला गांव बहालगढ़ में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास, मूल विचारधारा और संगठनात्मक मूल्यों से अवगत कराना था। कार्यशाला की अध्यक्षता जाखौली मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल ने की। मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल व कार्यकर्ताओं ने विधायक कृष्णा गहलावत का पुष्पगुच्छ देकर हार्दिक स्वागत किया। मंच पर पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने जोरदार तालियों और नारेबाजी के साथ विधायक का स्वागत किया। संबोधित करते हुए विधायक कृष्णा गहलावत ने भाजपा की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की यात्रा का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचारधारा और आंदोलन है। भाजपा नेता माईराम कौशिक, भाजपा के जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, भाजपा नेता मास्टर सत्यनारायण आंतिल भी संबोधित किया। इस मौके पर पूर्व मंडल महामंत्री नरेंद्र धीमान, जिला महामंत्री नीरज, दीपक मुकीमपुर, देवेंद्र जिला पार्षद, नरेश रोहिल्ला, पदम चौहान, जितेंद्र सरपंच के अलावा काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे।

राई। मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल व कार्यकर्ता विधायक कृष्णा गहलावत का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए ।

सोनीपत। शहीद राजगुरु के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कांग्रेस के पदाधिकारी।

कांग्रेस सेवा दल ने शहीद राजगुरु जयंती मनाई

सोनीपत। जिला कांग्रेस सेवादल द्वारा कांग्रेस भवन सोनीपत में अमर शहीद राजगुरु की जयंती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश प्रवक्ता राकेश सौदा एडवोकेट ने कहा कि अमर शहीद राजगुरु ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने का का काम किया है। उन्होंने कांग्रेस सेवादल से जुड़कर देश की आजादी के लिए दिन रात कार्य किया। इस अवसर पर जिला सेवादल अध्यक्ष ईसाक मदार ने कहा कि यह देश हमारे पास शहीदों की धरोहर है, इसलिए हमारी युवा पीढ़ी का फर्ज बनता है कि इस धरोहर को सुरक्षित रखने और मजबूत करने के लिए अपने शहीदों के आदर्श अपनाते हुए देश के विकास मे अपना पूर्ण योगदान देना चाहिए। ताकि हम अपने शहीदों के सपनों को साकार कर सकें और अपने राष्ट्र का गौरव बढ़ा सके। इस दौरान प्रमुख रूप से महिला सेवादल अध्यक्ष कृष्णा बुमरा, मजदूर कांग्रेस प्रदेश महासचिव ओम कंवार जाबांज उपाध्यक्ष हरविन्द्र मण्डल, टीम कमल दीवान, ब्लॉक अध्यक्ष महावीर सिंह एवं रविन्द्र मलिक सहित कांग्रेस कायकर्ता उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

राई। विद्यालय चेयरमेन योगेश जिंदल , प्रधानाचार्या नीरा मुद्गल और उपप्रधानाचार्या निधि जैन प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए ।

जीडी गोयंका स्कूल में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

राई। जीडी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल खेवड़ा में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ विद्यालय अध्यक्ष योगेश जिंदल , प्रधानाचार्या नीरा मुद्गल और उपप्रधानाचार्या निधि जैन द्वारा रिबन काटकर किया गया। छात्रों द्वारा रचनात्मकता, ज्ञान और उधमशीलता की भावना को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में स्थिरता, परमाणु ऊर्जा, विज्ञान जादू, भारत की समृद्ध विरासत, इतिहास, भौतिक विज्ञान और जीव विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों पर आधारित वर्किंग मॉडल प्रस्तुत किए गए। प्रदर्शनी में कक्षा 3 से 12 के छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण युवा बैंक कर्मी थे जो सभी का ध्यान आकर्षित कर रहे थे। रोबोटिक्स प्रदर्शनी को देखकर अभिभावकगण उसमें छुपे विज्ञान को समझने पर मजबूर हो गए। छात्रों ने अपने मूल आविष्कारों और विचारों को प्रदर्शित किया। समस्या- समाधान, कौशल और व्यावसायिक कौशल का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम काठमंडी आर्य समाज का स्वर्ण जयंती समारोह संपन्न

आर्य समाज अच्छे संस्कार देने में सक्षम : जांगड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

स्थानीय काठ मंडी स्थित आर्य समाज का 50वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। स्वर्ण जयंती समारोह में राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। उन्होंने कहा कि आज हमारे सामने चुनौतीपूर्ण विषय संस्कारों का है। जिस बालक में अच्छे संस्कार नहीं हैं, वह अपनी सभ्यता, संस्कृति, राष्ट्रवाद और मानवता के धर्म से दूर हो जाता है। इसके लिए महर्षि दयानंद सरस्वती की रचनाओं को पढ़ने और उनके उपदेश को अपने जीवन में धारण करने की आवश्यकता है क्योंकि अच्छे संस्कार देने में आर्य समाज ही सक्षम है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने हमें विनाश के गहरे गर्त में जाने से बचाया, इसके लिए हम उनके सदैव ऋणी रहेंगे। स्वर्ण जयंती समारोह में आर्य समाज के पूर्व प्रधान ज्ञानचंद आर्य और हिन्दी आंदोलन के सत्याग्रही वेदप्रकाश मलिक ने अध्यक्षता की तथा समाजसेवी अनिल मलिक, देव सरोहा, जय सिंह दहिया विशिष्ट अतिथि रहे जबकि संजीत शास्त्री ने मधुर भजन प्रस्तुत किए।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें सांसद रामचंद्र जांगड़ा का स्वागत करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर आर्य समाज के मंत्री कपिल देव, कोषाध्यक्ष अरूण दहिया, राजपाल, उमेद सिंह, सत्यवीर सरोहा, प्राचार्य नरेन्द्र सिंह, प्रवीण दहिया, आलोक मनवाला, राजपाल आर्य, रमेश आर्य, देवेन्द्र आर्य, धर्मपाल सिद्धांती, सुदर्शन, सतेन्द्र सरोहा, दिलावर सिंह आदि उपस्थित रहे।